# वर्ष 2015 मे गीतांजलि समूह पर पड़ी इन्कम टेक्स रेड का काला सच!!!

## गीतांजलि समूह के जगदीश प्रसाद अग्रवाल,शांति लाल मारू,प्रदीप मित्तल के यहाँ पड़े थे छापे!!

## छापे मे 300 करोड़ के कर चोरी/अघोषित आय के मामले बनाए थे आयकर विभाग ने!!!

## समूह के कर्ता-धर्ताओ ने स्वीकार की थी 118करोड़ की अघोषित आय!!!

## इन्कम टेक्स डिपार्टमेंट ने खोले थे सफेदपोशों के कई कच्चे चिट्ठे!!!

## काली कमाई के लिए के लिए बोगस लॉन्ग टर्म केपिटल गेन,बोगस शेयर प्रीमियम, मनी लोंडरींग,अंडर बिलिंग,ऑन मनी,अनसिक्योर लोन,केपिटेशन फीस सहित कई हथकंडो का कर रहे थे इस्तेमाल!!!

## इन्कम टेक्स डिपार्टमेंट ने गीतांजलि समूह के विरुद्ध की गयी इतनी बड़ी कार्यवाही की सेबी,प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई को नहीं दी जानकारी!!!

## जबकि ऐसे मामलो मे मनी लोंडरींग,सेबी एक्ट और आर्थिक अपराध के तहत, ईडी,सेबी और सीबीआई को करनी थी कार्यवाही!!!

# गीतांजलि ग्रुप की काली कमाई का बड़ा खुलासा!!!

## पेसेफिक इंडस्ट्रीज़ लि. के कर्ता धर्ता जगदीश प्रसाद अग्रवाल और उनका पूरा परिवार इस काले धंधे मे लिप्त!!!

**गीतांजलि यूनिवर्सिटी,गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीस,पेसेफिक एक्स्पोर्ट्स, ओजस्वी मार्बल एंड ग्रेनाइट प्रा.लि. जैसी सैंकड़ों कंपनियों का कर रहे संचालन!!!**

## समूह की पेसेफिक इंडस्ट्रीज़ लि.शेयर मार्केट मे लिस्टेड!!!

## क्या खेल चल रहा है शेयर मार्केट मे!!!

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

# JAWAB DO SARKAR
www.jawabdosarkar.com

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा जारी
सूचना प्रोद्द्योगिकी(मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता)नियम,2021 के नियम 18 के तहत संचालित पोर्टल

रेफरेंस संख्या –2022/kdgl/09 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शनिवार, 9 अप्रैल 2022

## समूह ने शेयर मार्केट मे बोगस लॉन्ग टर्म केपिटल गेन के जरिये अपने करोड़ो के काले धन को किया सफ़ेद!!!

## शेयर मार्केट से जुड़ी बोगस लॉन्ग टर्म केपिटल गेन और पेनी स्टॉक कंपनियों के बेजा इस्तेमाल की बड़ी कहानी!!!

## सबसे बड़ा सवाल?

विशेष रिपोर्ट-1

## क्या गीतांजलि समूह आज भी कर रहा है इन्कम टेक्स,जीएसटी सहित अन्य करो की चोरी??

## समूह की जयपुर मे बन रही एक और यूनिवर्सिटी के लिए कहाँ से बताया गया है पैसा?

## हाल ही मे स्वास्थ्य विभाग,भारत सरकार द्वारा समूह की गीतांजलि यूनिवर्सिटी पर मारे गए छापे का क्या है कारण?

## क्या पेसेफिक समूह की तरह गीतांजलि समूह भी सीबीआई के राडार पर है?



*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

## क्या था 2015 मे गीतांजलि समूह पर पड़ी इन्कम टेक्स रेड का मामला?

दिनांक 26/08/2015 को आयकर विभाग द्वारा उदयपुर के गीतांजलि समूह से जुड़े लोगो और कंपनियो के ठिकानो पर छापे मारे गए थे|मुख्यत: रियल स्टेट,मार्बल,ग्रेनाइट की खानो और उनकी प्रोसेसिंग,मेडिकल और टेक्निकल शिक्षण संस्थानो से जुड़े गीतांजलि समूह के विभिन्न ठिकानो से आयकर विभाग द्वारा जमीन,जायदाद,नकद लेन-देन और अघोषित आय से जुड़े कई दस्तावेज़ जब्त किए|आयकर विभाग द्वारा खुलासा किया गया कि समूह से जुड़े व्यक्ति और कंपनियाँ इन्कम टेक्स चोरी के लिए बोगस लॉन्ग टर्म केपिटल गेन,मनी लोंडरींग,अंडर बिलिंग,ऑन मनी,अनसिक्योर लोन,केपिटेशन फीस सहित कई हथकंडो का इस्तेमाल करते थे|इन्कम टेक्स द्वारा समूह की 303 करोड़ की काली कमाई का खुलासा किया गया था,जिसमे से कंपनी के कर्ता -धर्ताओं द्वारा 118 करोड़ की अघोषित आय को स्वीकार कर,टेक्स देने की शपथ पत्र के साथ हामी भरी थी|इस छापे मे विभाग को 57 लाख रुपए नकद भी मिले थे|आयकर विभाग के अनुसार गीतांजलि समूह को मुख्यत: जगदीश प्रसाद अग्रवाल और उनका परिवार संचालित करता था,शांति लाल मारू और प्रदीप मित्तल समूह के मुखिया जगदीश प्रसाद अग्रवाल के निकटतम सहयोगी थे,जिसमे से शांति लाल मारू का मुख्य व्यवसाय रियल स्टेट,जमीन जायदाद से जुड़ा था जबकि प्रदीप मित्तल का मुख्य व्यवसाय मध्य-प्रदेश के कटनी जिले मे मार्बल,ग्रेनाइट से जुड़ा था|

## कौन है गीतांजलि समूह के मुख्य कर्ता-धर्ता?क्या है इनके मुख्य व्यवसाय?

***जगदीश प्रसाद अग्रवाल:-***यह गीतांजलि समूह के मुख्य कर्ता धर्ता है,इनके साथ इनके परिवार के गीता अग्रवाल,अंकित अग्रवाल,कपिल अग्रवाल शामिल है|समूह का मुख्य व्यवसाय रियल स्टेट,मार्बल,ग्रेनाइट की खानो और उनकी प्रोसेसिंग,मेडिकल और टेक्निकल शिक्षण संस्थानो से जुड़ा हुआ है,मार्बल और ग्रेनाइट की खाने मुख्यत: उदयपुर,कटनी,बेंगलोर,और बाड़मेर मे है|इनकी प्रोसेसिंग यूनिट उदयपुर,कटनी और बेंगलोर मे है|समूह की शैक्षणिक संस्थाए जैसे  गीतांजलि यूनिवर्सिटी,गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल,गीतांजलि डेंटल कॉलेज एंड रीसर्च सेंटर,गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज़ उदयपुर मे स्थित है|साथ ही समूह की आइरन ओर की खाने जबलपुर मे स्थित है,समूह द्वारा एक स्टील प्लांट भी जबलपुर मे बनाया गया है|इसी के साथ समूह का उदयपुर मे रियल स्टेट,निर्माण का कार्य भी रहा है|

***शांति लाल मारू:-***शांति लाल मारू उदयपुर मे भू-कारोबारी के रूप मे नामचीन है|शांति लाल मारू और उनके परिवार के अन्य सदस्यगण भी गीतांजलि समूह की कई कंपनियों मे डायरेक्टर है|मारू परिवार रियल स्टेट कार्यो के लिए गीतांजलि समूह से जुड़ा हुआ है|यह दोनों उदयपुर मे कृषि भूमियों की खरीद फरोख्त,उन पर प्लोटिंग,बिल्डिंग निर्माण के धंधे से जुड़े है और जमीनो,प्लॉटो,फ्लेटों के  कारोबार का 30 से 40% नंबर दो यानि काले धन के रूप मे केश नकद मे करते है|

***प्रदीप मित्तल:-***प्रदीप मित्तल और संजय मित्तल मध्य प्रदेश के कटनी जिले के निवासी है और समूह के जबलपुर और कटनी मे मार्बल,माइनिग के काम देखते है|

## आयकर विभाग द्वारा गीतांजलि समूह के विरुद्ध बनाए गए मामले

| Sr.No. | Issue | Amount in crore |
|---|---|---|
| 1 | Routing of unaccounted money in the form of bogus LTCG in the name of family members of promoters of the group ( including commission paid thereupon ) | 117.4/- |
| 2 | Voluntarily surrender on account of various discrepancies by Shre Shanti lal Maroo | 1.15/- |
| 3 | Cash received against sale of industrial land by shre Jag-dish Prasad Agarwal | 1.41/- |
| 4 | Bogus share introduced in books | 25.67/- |
| 5 | Investment in shares in the name of Driver ***"ladu lal re-bari "*** | 0.89/- |
| 6 | Unaccounted income of Ankit Chirag Developers Pvt Ltd and Chirag Maroo | 0.08/- |
| 7 | Unsecured Loans shown to have been received by JP Agar-wal and Shanti lal Maroo group | 157.00/- |
| Total | | 303.84 |

**इन्कम टेक्स द्वारा समूह की 303 करोड़ की काली कमाई का खुलासा किया गया था,जिसमे से कंपनी के कर्ता-धर्ताओं द्वारा 118 करोड़ की अघोषित आय को स्वीकार कर,टेक्स देने की शपथ पत्र के साथ हामी भरी थी|**

### कंपनी के ड्राईवर लादू लाल रेबारी के नाम से कर रखा था 8898844/-का निवेश

आयकर विभाग द्वारा इस बात का भी खुलासा किया गया कि जगदीश प्रसाद अग्रवाल द्वारा पेसेफिक इंडस्ट्रीज़ लि मे करीब 90 लाख रुपए अपने ड्राईवर लादू लाल रेबारी के नाम से बता रखे थे|

## कैसे करते थे गीतांजलि समूह के कर्ता-धर्ता इन्कम टेक्स की चोरी?

आयकर विभाग द्वारा खुलासा किया गया था कि समूह से जुड़े व्यक्ति और कंपनियाँ इन्कम टेक्स चोरी के लिए बोगस लॉन्ग टर्म केपिटल गेन,मनी लोंडरींग,अंडर बिलिंग,ऑन मनी,अनसिक्योर लोन,केपिटेशन फीस सहित कई हथकंडो का इस्तेमाल करते थे|आइये आपको विस्तार से इनका खुलासा करते है:-

**किन व्यक्तियों से कितनी अतिरिक्त आय हुई उजागर**

| क्रमांक | नाम | राशि(लाखो मे) |
|---|---|---|
| 1 | जगदीश प्रसाद अग्रवाल | 656867000/- |
| 2 | शांति लाल मारू | 385100000/- |
| 3 | प्रदीप कुमार मित्तल | 38242602/- |
| 4 | संजय कुमार मित्तल | 38974081/- |
| 5 | ऋषभ मित्तल | 65625550/- |
| कुल | | **1184809204/-** |

### (1)शेयर मार्केट मे बोगस लॉन्ग टर्म केपिटल गेन(LTCG) और पेनी स्टॉक्स के जरिये अपने काले धन को करते थे सफ़ेद|

आयकर विभाग द्वारा यह आरोप लगाया गया कि समूह की कंपनियो और व्यक्तियों द्वारा लंबे समय से इन्कम टेक्स से छूट प्राप्त लॉन्ग टर्म केपिटल गेन का उपयोग टेक्स चोरी और अपनी अघोषित आय को सफ़ेद करने मे किया जाता था|इसके लिए वह पेनी स्टॉक कंपनियों मे बड़ी तादाद मे निवेश करते थे|विभाग द्वारा बताया गया कि समूह की कंपनियाँ और सदस्य अपनी अघोषित कमाई को अपनी बुक्स मे बोगस लॉन्ग टर्म केपिटल गेन,शेयर प्रीमियम,अनसिक्योर लोन के तौर पर नामी/बेनामी नामो से बताते थे|

| कंपनियों का नाम |
|---|
| Blue Print Securities' Limited |
| Oasis Cine Communication Ltd |
| Ins Edutech Ltd |
| Polytex India Ltd |
| Yamini Investment Company Ltd |
| Emrald Commercial Ltd |
| Supernova Advertising Ltd |
| Appu Marketing and Manufacturing Ltd |
| SRK Industries Ltd |
| Ojas Asset Reconstruction Company |

आयकर विभाग द्वारा खुलासा किया गया कि समूह ने वर्ष 2010 मे ब्लू प्रिंट सेक्यूरिटी लि. मे 476000 शेयरो की खरीद 10 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से कुल 4760000/- मे की|इसे दो साल रखने के बाद इन्ही शेयरों को वर्ष 2012 मे 306.90 प्रति शेयर के हिसाब से बेच दिया गया,जिसकी कुल बिक्री 146084700/- आती है|इस प्रकार समूह द्वारा खरीदे शेयरो मे 3070% उछाल आया जो कि अप्रत्याशित था|इसी प्रकार की खरीद अन्य कई कंपनियों मे की गयी,जिनमे भी अप्रत्याशित रूप से हजारो प्रतिशत उछाल देखा गया|विभाग के अनुसार समूह ने अपने ही अन्य धंधो से कमाए काले धन को अनुचित तरीको एवं अनुचित रास्तो से खपा कर,सफ़ेद कर दिया|

# Long-term Capital Gain from a Penny Stock with 3072% Profit Is Bogus and Sham Transaction: ITAT

## क्या होते हैं पेनी स्टॉक?

अमूमन पेनी स्टॉक्स कंपनियाँ वह होती है,जिनमे पैसा लगाना जोखिम का काम होता है यह छोटे स्तर की कंपनियाँ होती है|पेनी स्टॉक (Penny Stock ) मार्केट ट्रेडेड सिक्योरिटी (प्रतिभूति) के रूप हैं, जो न्यूनतम प्राइसिंग आकर्षित करते हैं। ये प्रतिभूतियां आम तौर पर निम्न बाजार पूंजीकरण दरों वाली कंपनियों द्वारा ऑफर की जाती हैं।

## क्या हैं इसकी विशेषताएं?

**-हाई-रिटर्न:** ये स्टॉक दूसरे प्रकार की प्रतिभूतियों की तुलना में काफी अधिक रिटर्न उपलब्ध कराते हैं। चूंकि ऐसे शेयर स्मॉल और माइक्रो-कैप कंपनियों द्वारा जारी किए जाते हैं, उनमें वृद्धि की विशाल संभावनाएं होती हैं। इसके परिणामस्वरूप, बाजार के उतार चढ़ाव के प्रति इसके रिस्पांस की तीव्रता को देखते हुए पेनी स्टॉक जोखिम भरे होते हैं।

**-इलिक्विड:** यह देखते हुए कि जो कंपनियां उन्हें जारी करती हैं, वे अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय होती हैं, भारत में पेनी स्टॉक प्रकृति से इलिक्विड होते हैं। ऐसे व्यक्तियों को ढूंढना चुनौतीपूर्ण हो जाता है जो इस प्रकार के स्टॉक्स की खरीद करने के इच्छुक हों, इसलिए वे आपातकालीन स्थितियों में अधिक सहायक साबित नहीं होते।

**-निम्न लागत:** भारत में पेनी स्टॉक का मूल्य अक्सर 10 रुपये से कम निर्धारित किया जाता है। इसलिए, आप छोटे से निवेश के साथ पेनी स्टॉक लिस्ट से स्टॉक यूनिट की बड़ी मात्रा की खरीद कर सकते हैं।

## क्या है बोगस LTCG और पेनी स्टॉक्स?

हमे हमारी चल अचल सम्पत्तियों पर इन्कम टेक्स मे लॉन्ग टर्म केपिटल गेन प्राप्त होता है|शेयर मार्केट मे भी शेयरों को एक साल से अधिक रखने पर लॉन्ग टर्म केपिटल गेन प्राप्त होता है|वर्ष 2018-19 से पहले यह लॉन्ग टर्म केपिटल गेन कर-मुक्त होता था|इसी का बेजा फायदा कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज मे रजिस्टर्ड कई कंपनियाँ उठाती थी|यह कंपनियाँ अपने निवेशको को ऐसी कंपनियों मे पैसा निवेश करने को कहती थी जिनकी शेयरो की कीमत 10-12 रुपए होती थी|2-3 सालों मे इन कंपनियों के शेयर की कीमत मे अनुचित साधनो का उपयोग करते हुए जबर्दस्त उछाल लाया जाता था|शेयरो की कीमत मे उछाल लाने के लिए इन्ही निवेशको के काले धन का उपयोग किया जाता था|जिससे इन शेयरों की कीमत 300-500 रुपए हो जाती थी|इसी समय निवेशक अपना पैसा निकाल लेते थे,इससे उन्हे कर मुक्त लॉन्ग टर्म केपिटल गेन का फायदा तो मिलता ही था,अनुचित साधनो से इन निवेशको का काला धन भी सफ़ेद हो जाता था|इस काम को करने वाले एजेंटो को 0.5%कमीशन दिया जाता था|

## (2)मार्बल और ग्रेनाइट की बिक्री की अंडर बिलिंग और रियल स्टेट मे लेन-देन मे ऑन मनी का इस्तेमाल

आयकर विभाग द्वारा बताया गया कि समूह अपनी मार्बल और ग्रेनाइट की सेल को अंडर बिलिंग करके बताते थे,जिससे उनका वास्तविक लाभ बुक्स मे कम बताया जा सके|इसी के साथ समूह अपने रियल स्टेट प्रोजेक्टो के फ्लेट्स ऑन मनी पर बेचते थे|ऑन मनी का मतलब किसी फ्लेट को कंपनी की बुक्स मे उसकी असली कीमत से कम कीमत पर बेचना बताना है|समूह की कंपनी आशियाना बिल्डप्रोप प्रा लि द्वारा बनाई गयी सांची एंक्लेव योजना मे 63 फ्लेटों की एग्रीमेंट राशि 250175906/- बताई गयी थी ,जिसकी एंट्री एग्रीमेंट राशि के नाम से 161863811/- और अनबिल्ड सेल राशि के नाम से 88312095/- बताई गयी थी|इस प्रकार समूह द्वारा रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स का 64.70% पैसा नंबर एक मे और 35.30% नंबर दो मे लिया जाता था|इसी प्रकार के और अन्य योजनाओ के फ्लेटों की ऑन मनी का खुलासा इन्कम टेक्स विभाग द्वारा किया गया|

## (3)मेडिकल और डेंटल शिक्षण संस्थानो मे केपिटेशन फीस का उपयोग|

आयकर विभाग द्वारा बताया गया कि समूह अपनी मेडिकल शिक्षण संस्थानो मे एडमिशन के लिए केपिटेशन फीस लेता था|केपिटेशन फीस वह अतिरिक्त फीस होती है जो सामान्य श्रेणी की अपेक्षा विशेष श्रेणी से तय नियमों के अतिरिक्त ली जाती है|

### इन्कम टेक्स के छापे के बाद सीबीआई मे पहुंचा मेडिकल सीटो की गड़बड़ी का मामला|

**गीतांजलि पर एमबीबीएस की 47 सीट्स पर एडमीशन में गड़बड़ी का आरोप : कोर्ट ने सीबीआई एसपी से मांगी रिपोर्ट**

एमबीबीएस की सीट्स पर 2018-19 के बैच में नीट के जरिए प्रवेश देने में गड़बड़ी का आरोप

**उदयपुर/जोधपुर,(ARLive news)।** गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) के चैयरमेन और प्रबंधन के खिलाफ दायर याचिका पर सीबीआई कोर्ट जोधपुर ने सुनवायी करते हुए सीबीआई एसपी से रिपोर्ट मांगी है। ऐसे में गीतांजलि ग्रुप के मालिकों पर सीबीआई का शिकंजा कस सकता है। क्यों कि कोर्ट के आदेश पर सीबीआई को गीतांजलि मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर लगे आरोप की जांच कर रिपोर्ट पेश करनी होगी। **परिवादी राजेन्द्र शेखावत ने अपनी याचिका में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल पर एमबीबीएस में नीट के जरिए होने वाले प्रवेश में करोड़ों की गड़बड़ी और भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है।**

**सरकार की गठित कमेटी ने भी माना था कि गड़बड़ी हुई**

**हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील ए.के. जैन** परिवादी की तरफ से सीबीआई कोर्ट जोधपुर में याचिका पेश पैरवी कर रहे हैं। वकील ए.के. जैन ने बताया कि उनके परिवादी राजेन्द्र शेखावत की ओर से उन्होंने इस वर्ष फरवरी में सीबीआई में परिवाद दिया था। सीबीआई की तरफ से मामले में ज्यादा सक्रियता नहीं दिखी तो हमने सीबीआई कोर्ट जोधपुर में याचिका पेश की है। हमारी याचिका पर सुनवायी करते हुए कोर्ट ने सीबीआई से रिपोर्ट मांगी है कि इसमें सीबीआई ने अब तक क्या जांच की है।

वकील ए.के. जैन ने बताया कि पहले राज्य सरकार के पास भी इसकी शिकायत गयी थी। राज्य सरकार ने कमेटी गठित कर जांच के आदेश दिए थे। कमेटी ने भी माना था कि एमबीबीएस की 47 सीट्स पर भर्ती में गड़बड़ी हुई थी। लेकिन सरकार ने आगे कोई कार्यवाही नहीं की थी।

**यह है मामला**

वकील ए.के. जैन ने बताया कि मेरे परिवादी का आरोप है कि वर्ष 2018-19 में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज को एमबीबीएस की 147 सीट्स पर नीट के जरिए एडमीशन लेना था। कॉलेज प्रबंधन ने इसमें 47 सीट्स पर मॉपअप से जिन कैंडीडेट का एडमीशन लिया था, उनसे न जाने कैसे रिजाइन लेकर, उन सीट्स पर पैसे लेकर दूसरे कैंडीडेट को भर्ती कर लिया था। इस संबंध में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल प्रबंधन ने न तो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) से कोई परमीशन ली थी और न ही काउंसिलिंग बोर्ड से अनुमति ली थी। ऐसे में यह एक गंभीर प्रकृति के भ्रष्टाचार का मामला है। जिसमें करीब 100 करोड़ के भ्रष्टाचार की आशंका है। इसी आरोप की याचिका हमने सीबीआई कोर्ट जोधपुर में दायर की है।

वर्ष 2015 मे केपिटेशन फीस के नाम पर इन्कम टेक्स की चोरी का खुलासा करने के बाद,उसके आने वाले वर्षो मे सीबीआई और एमसीआई की कई रिपोर्ट्स ने इस बात की मोहर लगा दी है कि गीतांजलि समूह द्वारा अपने मेडिकल शिक्षण संस्थानो मे मेनेजमेंट कोटे की सीटो को लाखो-करोड़ो रुपयो मे बेचा जाता है|चूंकि यह सारा लेनदेन दो नंबर मतलब नकद मे किया जाता है,जिससे जाहिर होता है कि वर्तमान मे भी अपने काले धन को सफ़ेद करने के लिए समूह द्वारा नए-पुराने कई हथकंडे अपनाए जा रहे है|जो कि या तो इन्कम टेक्स/सीबीआई/ईडी के राडार पर है या फिर आने वाले है|

## हाल ही मे स्वास्थ्य विभाग,भारत सरकार द्वारा समूह की गीतांजलि यूनिवर्सिटी पर मारे गए छापे का क्या है कारण?

पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की और से देशभर के एक दर्जन मेडिकल कॉलेजो पर छापे की कार्यवाही की गयी थी|मंत्रालय द्वारा इस कार्यवाही को बहुत ही गोपनीय रखा गया था|सूत्रों ने बताया कि पूरे मामले को लेकर इन औचक निरीक्षणों की निगरानी स्वयं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने की। स्वास्थ्य मंत्री ने एनएमसी और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की एक कोर टीम बनाई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि औचक निरीक्षण की गोपनीयता बनी रहे और मेडिकल कॉलेजों का निरीक्षण निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार किया जाए। इतना ही नहीं, जांच टीम के सदस्यों को भी संबंधित कॉलेज के बारे में पूर्व सूचना नहीं दी गई बल्कि सूचना मिलने के दिन ही औचक निरीक्षण को कहा गया था। मंत्रालय चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है।

इन एक दर्जन कॉलेजो मे उदयपुर के ही नामचीन मेडिकल कॉलेजो के साथ साथ समूह द्वारा संचालित गीतांजलि मेडिकल कॉलेज का भी नाम था|

भास्कर Original

देश में पहली बार ऐसी कार्रवाई

# एक दर्जन मेडिकल कॉलेजों पर स्वास्थ्य मंत्रालय के छापे

पवन कुमार | नई दिल्ली

देश में पहली बार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से ऐसे एक दर्जन मेडिकल कॉलेजों पर छापे की कार्रवाई की गई है, जिनके खिलाफ शिकायतें आ रही थीं। कार्रवाई इतनी गोपनीय थी कि मंत्रालय की मेडिकल एजुकेशन विंग को भी भनक नहीं लगी। अभी तक मेडिकल कॉलेजों के खिलाफ जांच और छापे की कार्रवाई नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) या मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) करती थी।

सूत्रों का कहना है कि कोरोना में कई नए मेडिकल कॉलेज को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये निरीक्षण करके मान्यता दे दी गई थी। इसके बाद बहुत से मेडिकल कॉलेजों की शिकायत स्वास्थ्य मंत्रालय को मिल रही थी। मंत्रालय स्तर पर इनकी जांच के बाद देश के केंद्रीय अस्पतालों के 3 से 6 डॉक्टर्स की अलग-अलग टीमें बनाई गई। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस कार्रवाई की मॉनिटरिंग खुद स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया कर रहे थे। कार्रवाई में मेडिकल कॉलेजों में जो खामियां और गड़बड़ी पाई गई, उसकी अंतिम रिपोर्ट तैयार हो रही है। इसी के आधार पर सख्त कार्रवाई के लिए एनएमसी को कहा जाएगा।

**गड़बड़ियां ऐसी :** छापे के दौरान कुछ मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों में मरीज कम थे। कई जगहों पर फैकल्टी सिर्फ दस्तावेजों में थे। तो लाइब्रेरी में मापदंड के मुताबिक किताबें नहीं थी।

### 6 मेडिकल कॉलेजों को नोटिस जारी

महाराष्ट्र में धुले के एसीपीएम मेडिकल कॉलेज, राजस्थान के अनंता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर, पैसिफिक मेडिकल कॉलेज, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और मप्र में जबलपुर के सुख सागर मेडिकल कॉलेज को नोटिस जारी किया गया है।

दिनांक 03/04/2022 को दैनिक भास्कर मे प्रकाशित खबर से साभार

विभाग की इस बड़ी कार्यवाही से सवाल यह खड़ा होता है कि करोड़ो रुपया कमाने वाले मेडिकल कॉलेजो पर महज मरीज कम होने,लाइब्रेरी मे मापदंडो के मुताबिक किताबे नहीं होने जैसी बातों के लिए तो छापे नहीं डाले जा सकते,पर्दे के पीछे की क्या कहानी है यह अभी तक रहस्य बना हुआ है|जानकार इसे मेडिकल सीटो पर हो रही करोड़ो की डील से जोड़कर देख रहे है|वही इन छापो से गीतांजलि के साथ साथ अन्य मेडिकल कॉलेज एक बार फिर सीबीआई,इन्कम टेक्स और प्रवर्तन निदेशालय के राडार पर आ गए है|

## समूह की जयपुर मे बन रही एक और यूनिवर्सिटी के लिए कहाँ से बताया गया है पैसा?

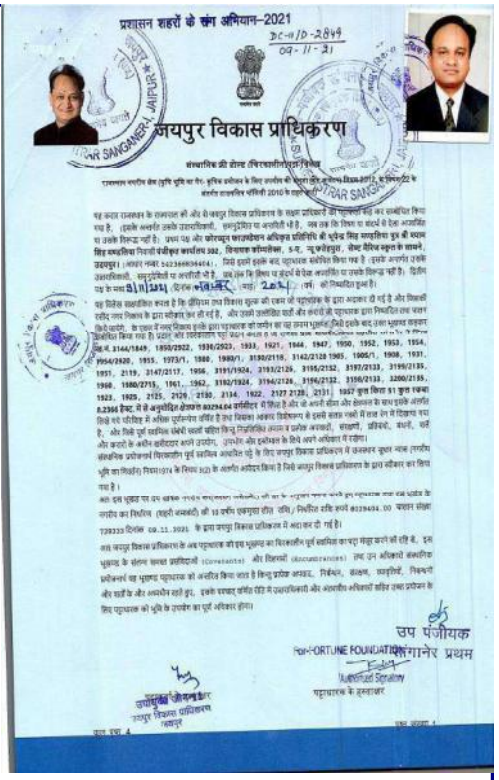



प्रशासन शहरों के संग अभियान–2021

DC-II/D-2849
09-11-21

# जयपुर विकास प्राधिकरण

उप पंजीयक

FOR FORTUNE FOUNDATION

गत वर्ष राज्य सरकार द्वारा समूह की एक और मेडिकल यूनिवर्सिटी के लिए जयपुर मे भांकरोटा के पास 80294 वर्ग मीटर जमीन कन्सेशन दर पर आवंटित की है|जिस पर भी गीतांजलि की तरह भव्य यूनिवर्सिटी बनाई जाएगी|समूह द्वारा इस यूनिवर्सिटी को फोरचून फाउंडेशन के तत्वधान बनाया जा रहा है|

उपलब्ध दस्तावेजो के अनुसार फोरचून फाउंडेशन का वर्ष 2019-20 मे कॉर्पस फंड 59,10,10000/-रुपए था,जबकि वर्ष 2018-19 मे यह 38,10,10000/- था|वर्ष 2018-19 मे फोरचून फाउंडेशन को अनसिक्योर लोन करीब 1,94,03483/- बताया गया है जो वर्ष 2019-20 मे निल मतलब शून्य है|

सूत्रो के अनुसार इस फोरचून फाउंडेशन को बनाने और इसकी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने मे भी समूह द्वारा अपने काले धन का उपयोग किया गया है और उसे अनुचित साधनो से सफ़ेद कर, फोरचून फाउंडेशन की बुक्स मे बताया जा रहा है|जिसकी भी इन्कम टेक्स से जांच आवश्यक है|



FORTUNE FOUNDATION
19-C, OLD FATEHPURA,UDAIPUR-313001

(31)

STATEMENT OF AFFAIRS AS ON 31.03.2020

Amount in Rs.

| PARTICULARS | SCHEDULE | 2019-20 | 2018-19 |
|---|---|---|---|
| SOURCES OF FUNDS | | | |
| Corpus Fund | 1 | 59,10,10,000 | 38,10,10,000 |
| Unsecured Loan | 2 | - | 1,94,03,483 |
| Current Liabilities & Provisions | 3 | 1,10,33,912 | 90,96,361 |
| Other Current Liability | | - | - |
| Reserve Fund | 4 | 2,13,93,255 | - |
| TOTAL | | 62,34,37,167 | 40,95,09,844 |
| APPLICATION OF FUNDS | | | |
| Fixed Assets ( Gross Block) | 5 | 41,07,83,127 | 40,03,05,679 |
| Less : Depreciation | | 13,071 | 11,300 |
| Net Block | | 41,07,70,056 | 40,02,94,379 |
| CURRENTS ASSETS, LOAN & ADVANCES | | | |
| Cash & Bank Balances | 6 | 9,47,853 | 6,08,829 |
| Loans & Advances | 7 | 21,17,19,258 | 67,36,758 |
| | | 21,26,67,111 | 73,45,587 |
| Reserve Fund | 4 | - | 18,69,878 |
| TOTAL | | 62,34,37,167 | 40,95,09,844 |

Accounting policies & Notes to the accounts 11
As Per our Audit Report of even date attached
For A. Bafna & Co.
Chartered Accountants
FRC NO. 03660C

(CA.Vivek Gupta)
Partner
M NO. 400543
UDIN: 21400543AAAAA161
Date:- 29th December 2020
Place: Jaipur

FOR FORTUNE FOUNDATION

J.P. AGARWAL
(Chairperson)

## जवाब मांगते सवाल?

1. क्या शांति लाल मारू और प्रदीप मित्तल आज भी गीतांजलि समूह के साथ है?
2. समूह द्वारा आज की तारीख मे कितनी शैल कंपनियो का संचालन किया जा रहा है?
3. क्या समूह द्वारा आज भी बोगस LTCG का खेल खेला जा रहा है?
4. जिन पेनी स्टॉक्स कंपनियों के साथ समूह द्वारा बोगस LTCG का खेल खेला गया था,उनकी आज क्या स्थिति है?क्या सेबी द्वारा उक्त कंपनियों के विरुद्ध जांच की गयी थी?
5. इस प्रकरण मे इन्कम टेक्स द्वारा खुलासा किया गया था कि कंपनी ने अपने ड्राईवर लादू लाल रेबारी के नाम से बेनामी लेनदेन किए गए थे,समूह द्वारा ऐसे और कितने बेनामी से काला धन एकत्रित किया गया है?

6. इस प्रकरण मे इन्कम टेक्स द्वारा अन सिक्योर लोन के नाम पर 157 करोड़ के काले धन को सफ़ेद करने के खेल का खुलासा तो किया गया था,लेकिन उसकी रिपोर्ट उपलब्ध नहीं करवाई गयी थी|क्या थी इस अन सिक्योर लोन की हकीकत?

7. जिन कंपनियों/व्यक्तियों द्वारा समूह को अनसिक्योर लोन दिये गए थे,उनके विरुद्ध इन्कम टेक्स विभाग द्वारा क्या कार्यवाही की गयी?

8. समूह द्वारा उदयपुर के अलावा कहाँ कहाँ जमीनो मे निवेश किया गया है,कॉलोनियाँ काटी गयी है,कोम्प्लेक्सो का निर्माण करवाया गया है?

9. क्या समूह द्वारा आज भी जमीनो/कॉलोनियों/फ्लेटों की खरीद फरोख्त मे ऑन मनी का इंस्तेमाल किया जा रहा है?

10. जिन व्यक्तियों द्वारा समूह के साथ जमीनो/कॉलोनियों/फ्लेटों की खरीद फरोख्त ऑन मनी के तहत की गयी थी,क्या आयकर विभाग द्वारा उन लोगो को जांच के दायरे मे लिया गया था?

11. आयकर विभाग की रिपोर्ट के अनुसार समूह के जगदीश प्रसाद अग्रवाल द्वारा वित्तीय वर्ष 2008-09 मे किसी जमीन के बदले 1.4 करोड़ नकद लिए थे|जब इन्कम टेक्स को इस बात की जानकारी थी तो उसने इस मामले को ईडी को क्यूँ नहीं सौंपा?यह जमीन जेपी अग्रवाल द्वारा किसे बेची गयी थी?

12. आयकर विभाग के अनुसार समूह द्वारा मार्बल और ग्रेनाइट को अंडर बिलिंग करके बेचा जाता था जिससे बुक्स मे कम प्रॉफ़िट बताया जा सके|क्या अंडर बिलिंग का खेल आज भी समूह द्वारा खेला जा रहा है?

13. क्या समूह द्वारा जबलपुर मे खोले गए स्टील प्लांट मे सबकुछ सही है?

14. क्या आयकर विभाग द्वारा समूह के कर्ता-धर्ताओं से 118 करोड़ की वसूली कर ली गयी है?आयकर विभाग द्वारा 303 करोड़ के बनाए गए अन्य मामलो का क्या हुआ?क्या विभाग द्वारा बकाया मामलो मे भी वसूली की गयी?

15. क्या गीतांजलि समूह आज भी कर रहा है इन्कम टेक्स,जीएसटी सहित अन्य करो की चोरी??

16. वर्तमान मे समूह की पेसेफिक इंडस्ट्रीज़ लि स्टॉक मार्केट मे पंजीकृतहै,जिसके शेयर का मूल्य 511.90 रुपए है,समूह की और कितनी कंपनियाँ स्टॉक मार्केट मे पंजीकृत है?वर्तमान मे शेयर मार्केट मे समूह द्वारा क्या खेल खेला जा रहा है?

17. ईडी ने बोगस LTCG के तहत हुई मनी लोंडरिंग की जांच क्यूँ नहीं की?आखिर क्यूँ इन्कम टेक्स द्वारा ईडी को इस मामले की जानकारी नहीं दी गयी?

18. जब समूह के मुख्य कर्ता-धर्ता बोगस LTCG की बात स्वीकार कर चुके थे तो इसके बावजूद सेबी ने बोगस LTCG मामले की जांच क्यूँ नहीं की?

19. हाल ही मे स्वास्थ्य विभाग,भारत सरकार द्वारा समूह के गीतांजलि मेडिकल कॉलेज पर मारे गए छापे का मुख्य कारण क्या है?

20. एमसीआई मे समूह की यूनिवर्सिटी,मेडिकल कॉलेजो मे धांधलियों के कितने मामले चल रहे है?

21. समूह की जयपुर मे फोरचून फाउंडेशन के तत्वाधान बन रही एक और यूनिवर्सिटी के लिए कहाँ से बताया गया है पैसा? कहीं समूह के काले धन को सफ़ेद करके तो नहीं बनाई जा रही यह यूनिवर्सिटी?

22. उपलब्ध दस्तावेजो के अनुसार फोरचून फाउंडेशन का वर्ष 2019-20 मे कॉर्पस फंड 591010000/-रुपए था,जबकि वर्ष 2018-19 मे यह 381010000/- था|वर्ष 2018-19 मे फोरचून फाउंडेशन को अनसिक्योर लोन करीब 19403483/- बताया गया है जो वर्ष 2019-20 मे निल मतलब शून्य है? किनके द्वारा दिये गए थे यह अनसिक्योर लोन?क्या अनसिक्योर लोन वाली कहानी पुनः तो नहीं दोहराई जा रही?

23. क्या पेसेफिक समूह की तरह गीतांजलि समूह भी मेडिकल की मेनेजमेंट कोटे की सीटो को करोड़ो रुपयो मे बेचने के मामले मे सीबीआई के राडार पर है?

24. वर्तमान मे सीबीआई/एमसीआई के पास जिन मेडिकल सीटो को करोड़ो मे बेचने का इनपुट प्राप्त है क्या इन्कम टेक्स को इसकी जानकारी है?

**जेपी अग्रवाल का कबूलनामा**

हाँ मैंने मेरे धारा 132(4) के अंतरगर्त दर्ज बयानो मे रुपए 656867000/- की अघोषित आय विभिन्न वर्षो मे अतिरिक्त आय के रूप मे करारोपण हेतु समर्पित की थी|मैं पुनः इसे Confirm करता हूँ एवं इस पर नियमानुसार आयकर अदा करने का वचन देता हूँ|मैं यहाँ स्पष्ट कार्न चाहता हूँ कि मैंने अघोषित अतिरिक्त आय के पेटे रुपए 6,0585550/- आयकर के रूप मे जमा करवा दिये है एवं शेष आयकर जमा करवाने का वचन देता हूँ|

25. हाल ही मे इन्कम टेक्स/सीबीआई/एमसीआई की कई रिपोर्ट्स ने यह साबित किया है कि अन्य मेडिकल कॉलेजो की तरह गीतांजलि मेडिकल कॉलेज/यूनिवर्सिटी भी मेडिकल की मेनेजमेंट कोटे की सीटो की खरीद फरोख्त मे लिप्त है,जिसमे मिलने वाला करोड़ो रुपया नकद या हवाला के जरिये समूह की जेब मे पहुंचता है|सवाल यह उठता है कि समूह द्वारा इन करोड़ो रुपयो के काले धन को सफ़ेद करने के लिए क्या नए-पुराने कई हथकंडे अपनाए जा रहे है?

26. जिस समृद्ध लोगो से देश को आशा होती है कि वह अपनी सम्पूर्ण कमाई पर ईमानदारी से टेक्स देकर देश के विकास मे भागीदार बनेगे,वही लोग सफेदपोश बन कर,आर्थिक अपराध कर,देश की नींव को खोखला कर रहे है|क्या ऐसे सफ़ेदपोशों को सख्त से सख्त सजा नहीं देनी चाहिए? आखिर क्यूँ ऐसे सफेदपोशों को कानून का डर नहीं है?